शहर – नगर – City – शहर बड़ी और स्थायी मानव बस्ती होती है। शहर में आम तौर पर आवास, परिवहन, स्वच्छता, भूमि उपयोग और संचार के लिए निर्मित किया गया एक व्यापक सिस्टम होता हैं। ऐतिहासिक रूप से शहरवासियों का समग्र रूप से मानवता में छोटा सा अनुपात रहा है। लेकिन आज दो शताब्दियों से अभूतपूर्व और तेजी से शहरीकरण के कारण, कहा जाता है कि आज आधी आबादी शहरों में रह रही हैं। वर्तमान में शहर आमतौर पर बड़े महानगरीय क्षेत्र और शहरी क्षेत्र के केंद्र होते हैं। सबसे आबादी वाला उचित शहर शंघाई है। एक शहर अन्य मानव बस्तियों से अपने अपेक्षाकृत बड़े आकार के कारण भिन्न होता है। शहर अकेले आकार से ही अलग नहीं है, बल्कि यह एक बड़े राजनीतिक संदर्भ में भूमिका निभाता है।

आबाद – बसा हुआ – Manned – प्राचीन दमिश्क शहर, सीरिया का ऐतिहासिक शहर है जो वर्तमान में सीरिया की राजधानी आधुनिक दमिश्क से भिन्न है। पुराना शहर, जो दुनिया के सबसे पुराने लगातार बसे हुए शहरों में से एक है। दमिश्क में कई ऐतिहासिक चर्च और मस्जिद शामिल हैं।

आसमान – गगन - Sky – आसमान झाँकना या ताकना (क) अभिमानपूर्वक सिर ऊँचा करना या तानना। (ख) वास्तविकता का ध्यान छोड़कर असंभव बातों की ओर ध्यान देना। (किसी पर या सिर पर) आसमान टूटना या टूट पड़ना सहसा विपत्तियों का पहाड़ ऊपर आ गिरना। (किसी को) आसमान दिखाना (क) कुश्ती में, एक पहलवान का दूसरे को पछाड़कर चित्त गिराना।

मीनारें – ढासना – Tower – मीनार ऊँचा स्तंभ–नुमा स्थापत्य होता है जो देखने में किसी आम बुर्ज से अधिक लम्बा और खिंचा हुआ दिखता है। सामान्यतः मीनार बेलनाकार, लम्बे और ऊपर प्याज–नुमा मुकुट से सुसज्जित होते हैं। वे आसपास की इमारतों से अधिक ऊँचे होते हैं और अक्सर मुस्लिम मस्जिदों के साथ लगे हुए पाए जाते हैं।

विवरण मीनारों में आम–तौर पर एक निचला दरवाजा होता है जिस से मीनार में दाखिल हुआ जा सकता है, अन्दर एक जीना होता है जिस से ऊपर तक चढ़ा जा सकता है और सबसे ऊपर खड़े होने की जगह होती है। इस्लामी प्रथा में इस ऊँचे चबूतरे पर खड़े होकर मुल्ला अजान लगाकर लोगों को नमाज पढ़ने के लिए बुलाया करते हैं, हालांकि जरूरी नहीं है कि हर मीनार का प्रयोग इसी प्रकार हो। भारतीय उपमहाद्वीप, अफगानिस्तान और ईरान में मीनारें गोल या अष्टभुजी (ऑक्टॉगोनल) होती हैं लेकिन उत्तरी अफ्रीका में चकोर अकार की मीनारें बनाने की प्रथा है।

Brainbox
arn easy

मिट्टी – मिट्टी – Soil – मृदा अथवा मिट्टी पृथ्वी की सबसे उपरी परत होती है। मिट्टी का निर्माण टूटी चट्टानो के छोटे महीन कणों, खनिज, जैविक पदार्थो, बॅक्टीरिया आदि के मिश्रण से होता है। मिट्टी के कई परतें होती हैं, सबसे उपरी परत में छोटे मिट्टी के कण, गले हुए पौधे और जीवों के अवशेष होते हैं यह परत फसलों की पैदावार के लिए महत्त्वपूर्ण होती है। दूसरी परत महीन कणों जैसे चिकनी मिट्टी की होती है और नीचे की विखंडित चट्टानो और मिट्टी का मिश्रण होती है तथा आखरी परत में अ–विखंडित सख्त चट्टानें होती हैं। देश के सभी भागों में मिट्टी की गहराई आसमान रूप से पाई जाती है यह कुछ सेमी. से लेकर 30 मी. तक गहरी हो सकती है। हर मिट्टी की अपनी विशेषता होती है।

दीवारें – बाधा – Wall – वास्तुकला में दीवार एक ऊँचा ढांचा होता है जो किसी क्षेत्र को घेरता है यह उसकी रक्षा करता है। अक्सर एक दीवार से किसी भवन या कमरे के अन्दर और बाहर वाली क्षेत्रों को अलग किया जाता है और उसके सहारे किसी बंद क्षेत्र पर छत भी डाली जाती है। ध्यान दें की कभी–कभी स्थाई निर्माणों के अलावा अन्य चीजों में भी दीवारें बनाई जाती हैं, मसलन किसी रेल के डब्बे के अलग खानों को विभाजित करने के लिए उनके बीच पतली दीवारें खड़ी की जाती हैं।

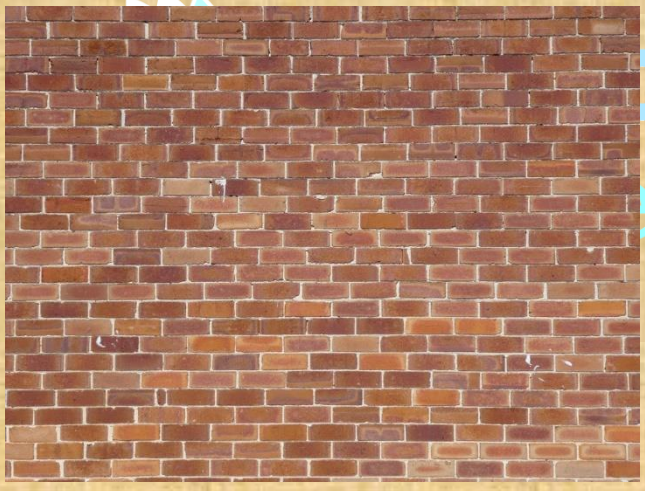

नक्काशी – उत्कीर्णन – Carving – लकड़ी, हाथीदाँत, पत्थर आदि को गढ़ छीलकर अलंकृत करने या मूर्ति बनाने को उत्कीर्णन या नक्काशी करना (अंग्रेजी में कर्विंग) कहते हैं। यहाँ काष्ठ उत्कीर्णन पर प्राविधिक दृष्टिकोण से विचार किया गया है। उत्कीर्णन के लिए लकड़ी को सावधानी से सूखने देना चाहिए। एक रीति यह है कि नई लकड़ी को बहते पानी में डाल दिया जाए, जिसमें उसका सब रस बह जाए हवादार जगह में छोड़ देना काफी होता है। शीशम, बाँझ (ओक) और लकड़ियों पर सूक्ष्म उत्कीर्णन किया जा सकता है। मोटा काम प्रायः सभी लकड़ियों पर हो सकता है। उत्कीर्णन के लिए छोटी बड़ी अनेक प्रकार की चपटी और गोल रुखानियों तथा छुरियों का प्रयोग किया जाता है। काम को पकड़ने के लिए बाँक (वाइस) भी हो तो सुविधा होती है। काठ की एक मुँगरी (हथौड़ा) भी चाहिए। कोने अँतरे में लकड़ी को चिकना करने के लिए टेढ़ी रेती भी चाहिए।

हिंदू – Hindu – हिन्दू धर्म (संस्कृतः धर्म) एक धर्म (या, जीवन पद्धति) है जिसके अनुयायी अधिकांशतः भारत ,नेपाल और मॉरिशस में बहुमत में हैं। इसके अलावा सूरीनाम,फिजी इत्यादि। इसे विश्व का प्राचीनतम धर्म माना जाता है। इसे 'वैदिक सनातन वर्णाश्रम धर्म' भी कहते हैं जिसका अर्थ है कि इसकी उत्पत्ति मानव की उत्पत्ति से भी पहले से है।ख, विद्वान लोग हिन्दू धर्म को भारत की विभिन्न संस्कृतियों एवं परम्पराओं का सम्मिश्रण मानते हैं जिसका कोई संस्थापक नहीं है। यह धर्म अपने अन्दर कई अलग–अलग उपासना पद्धतियाँ, मत, सम्प्रदाय और दर्शन समेटे हुए हैं। अनुयायियों की संख्या के आधार पर ये विश्व का तीसरा सबसे बड़ा धर्म है। संख्या के आधार पर इसके अधिकतर उपासक भारत में हैं और प्रतिशत के आधार पर नेपाल में हैं। हालाँकि इसमें कई देवी–देवताओं की पूजा की जाती है, लेकिन वास्तव में यह एकेश्वरवादी धर्म है। इसे सनातन धर्म अथवा वैदिक धर्म भी कहते हैं। इण्डोनेशिया में इस धर्म का औपचारिक नाम ''हिन्दु आगम'' है। हिन्दू केवल एक धर्म या सम्प्रदाय ही नहीं है अपितु जीवन जीने की एक पद्धति है

मुस्लिम - Muslim – मुसलमान (अरबी : مسلم، مسلمة फारसीः مسلمان، अंग्रेजीः Muslim) का मतलब वह व्यक्ति है जो इस्लाम में विश्वास रखता हो। हालाँकि मुसलमानों की आस्था के अनुसार इस्लाम ईश्वर का धर्म है और यह धर्म हजरत मुहम्मद से पहले मौजूद था। जो लोग अल्लाह के धर्म का पालन करते रहे वह मुसलमान हैं। जैसे कुरान के अनुसार हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम भी मुसलमान थे। मगर आजकल मुसलमान का मतलब उसे लिया जाता है जो हजरत मुहम्मद लाए हुए दीन का पालन करता हो और विश्वास रखता हो। मध्यकालीन मुस्लिम इतिहासकारों ने भारत को हिन्द अथवा हिन्दुस्तान कहा है

सिक्ख – Sikkh – सिक्ख धर्म (खालसा या सिक्ख मत ,पंजाबीः ਸਿੱਖੀ) 15वीं सदी में जिसकी शुरुआत गुरु नानक देव ने की थी। सिक्खो के धार्मिक ग्रन्थ श्री आदि ग्रंथ या गुरु ग्रंथ साहिब तथा दसम ग्रन्थ हैं। सिक्ख धर्म में इनके धार्मिक स्थल को गुरुद्वारा कहते हैं। आमतौर पर सिखों के दस सतगुर माने जाते हैं, लेकिन सिक्खो के धार्मिक ग्रंथ में छः गुरुओं सहित तीस भगतों की बानी है, जिन की सामान सिख्याओं को सिक्ख मार्ग पर चलने के लिए महत्त्वपूर्ण माना जाता है। 1469 ईस्वी में पंजाब में जन्मे नानक देव ने गुरमत को खोजा और गुरमत की सिख्याओं को देश देशांतर में खुद जा कर फैलाया था। सिक्ख उन्हें अपना पहला गुरु मानते हैं। गुरमत का परचार बाकि 9 गुरुओं ने किया। 10वे गुरु गोबिन्द सिंह जी ने ये परचार खालसा को सोंपा और ज्ञान गुरु ग्रंथ साहिब की सिख्याओं पर अम्ल करने का उपदेश दिया।

Brainbox easy

ईसाई – Christians – ईसाई धर्म (मसीही या क्रिश्चियन) एक इब्राहीमी धर्म है जो प्राचीन यहूदी परंपरा से निकला है। अन्य इब्राहीमी धर्मों के सामान यह भी एक एकेश्वरवादी धर्म है। ईसाई परंपरा के अनुसार इसकी शुरूआत प्रथम सदी ई. में फलिस्तीन में हुई, जिसके अनुयायी 'ईसाई' कहलाते हैं। यह धर्म यीशु मसीह की शिक्षाओं पर आधारित है। ईसाइयों में मुख्ययतः तीन समुदाय हैं, कैथोलिक, प्रोटेस्टेंट और ऑर्थोडॉक्स तथा इनका धर्मग्रंथ बाइबिल है। ईसाइयों के धार्मिक स्थल को चर्च कहते हैं। विश्व में सर्वाधिक लोग ईसाई धर्म को मानते हैं। ईसाई धर्म के अनुसार मूर्तिपूजा, हत्या, व्यभिचार व किसी को भी व्यर्थ आघात पहुंचाना पाप है। 4थी सदी तक यह धर्म किसी क्रांति की तरह फैला, किन्तु इसके बाद ईसाई धर्म में अत्यधिक कर्मकांडों की प्रधानता तथा धर्मसत्ता ने दुनिया को अंधकार युग में

धकेल दिया था। फलस्वरूप पुनर्जागरण के बाद से इसमें रीति–रिवाजों के बजाय आत्मिक परिवर्तन पर अधिक जोर दिया जाता है।

Brainbox
learn easy